



2. कहानी में मासिक वेतन के लिए किन-किन विशेषणों का प्रयोग किया गया है? इसके लिए आप अपनी ओर से दो-दो विशेषण और बताइए। साथ ही विशेषणों के आधार को तर्क सहित पृष्ठ कीजिए।

उत्तर:- कहानी में मासिक वेतन के लिए निम्नलिखित विशेषणों का प्रयोग किया गया है —

- पूर्णमासी का चाँद
- पीर का मजार

हमारे विशेषण —

- एक दिन की खुशी (क्योंकि उस दिन बहुत खुश होते हैं)
- चार दिन की चाँदनी (कुछ दिन तक वेतन आने पर सारी चीज़ें ले ली जाती है। चार दिन में सब खर्च हो जाता है)

3. (क) बाबूजी आशीर्वाद!

(ख) सरकारी हुक्म!

(ग) दातागंज के!

(घ) कानपुर!

दी गई विशिष्ट अभिव्यक्तियाँ एक निश्चित संदर्भ में निश्चित अर्थ देती हैं। संदर्भ बदलते ही अर्थ भी परिवर्तित हो जाता है। अब आप किसी अन्य संदर्भ में इन भाषिक अभिव्यक्तियों का प्रयोग करते हुए समझाइए।

उत्तर:- (क) बाबूजी आशीर्वाद — बाबूजी आशीर्वाद दीजिए।

(ख) सरकारी हुक्म — वे सरकारी हुक्म का पालन करते हैं।

(ग) दातागंज के — पंडित जी दातागंज के रहने वाले हैं।

(घ) कानपुर — यह बस कानपुर जाती है।

उत्तर:- आजकल न्यायालय में भी भ्रष्टाचार बढ़ रहा है। जैसे धन लूटना ही वकीलों का धर्म बन गया है। वकील धन के लिए गलत व्यक्ति के पक्ष में लड़ते हैं। तभी आलोपीदीन जैसे लोग न्याय और नीति को अपने वश में रखते हैं।

5. दुनिया सोती थी, पर दुनिया की जीभ जागती थी।

उत्तर:- पंडित आलोपीदीन रात में गिरफ्तार हुए ही थे कि खबर सब जगह फैल गई। दुनिया की जबान टीका-टिप्पणी करने से दिन हो या रात रूकती नहीं।

6. खेद ऐसी समझ पर! पढ़ना-लिखना सब अकारथ गया।

उत्तर:- वृद्ध मुंशी जी अपने बेटे वंशीधर की सत्यनिष्ठा से नाराज हैं। वे सोचते हैं कि रिश्ते न लेकर और आलोपीदीन को पकड़कर वंशीधर ने गलती की और उपर्युक्त कथन कहते हैं।

7. धर्म ने धन को पैरों तले कुचल डाला।

उत्तर:- वंशीधर ने आलोपीदीन के द्वारा दिए जानेवाले धन को ठुकराकर उसके धन के मिथ्याभिमान को चूर-चूर कर डाला। धर्म ने धन को पैरों तले कुचल डाला।

8. य के मैदान में धर्म और धन में युद्ध ठन गया।

उत्तर:- न्यायालय में वंशीधर और आलोपीदीन का मुकदमा चला। वंशीधर धर्म के लिए और आलोपीदीन धन के सहारे अधर्म के लिए लड़ रहा था। इस प्रकार न्याय के मैदान में धर्म और धन में युद्ध ठन गया।

• भाषा की बात

1. भाषा की चित्रात्मकता, लोकोक्तियों और मुहावरों के जानदार उपयोग तथा हिंदी-उर्दू के साझा रूप एवं बोलचाल की भाषा के लिहाज से यह कहानी अब्दुत है। कहानी में से ऐसे उदाहरण छाँटकर लिखिए और यह भी बताइए कि इन के प्रयोग से किस तरह कहानी का कथ्य अधिक असरदार बना है?

उत्तर:- भाषा की चित्रात्मकता —

‘जाड़े के दिन थे और रात का समय। नमक के सिपाही, चौकीदार नशे में मस्त थे... एक मील पूर्व की ओर जमुना बहती थी, उस पर नावों का एक पुल बना हुआ था। दारोगाजी किवाड़ बंद किए मीठी नींद से सो रहे थे।’

लोकोक्तियाँ —

- पूर्णमासी का चाँद।
- सुअवसर ने मोती दे दिया।

मुहावरे —

- फूले न समाना।
- सन्नाटा छाना।
- पंजे में आना।
- हाथ मलना।
- मुँह में कालिख लगाना आदि।

इनके प्रयोग से कहानी का प्रभाव बढ़ा है।

***** END *****